मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–133

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य)

(सी. बी. सी. एस.) (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एच.डी.सी.–133 : आधुनिक हिंदी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) मुँह जब लागै तब नहिं छूटै।

जाति मान धन सब कुछ लूटै।

पागल करि मोहि करे खराब

क्यों सखि साजन नहीं शराब।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ख) स्वयं सुसज्जित करके क्षण में,

प्रियतम को, प्राणों के पण में,

हमीं भेज देती हैं रण में–

क्षात्र–धर्म के नाते।

सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

(ग) विद्वान, वीर, योगी, गुरु राजनीतिकों के,

श्रीकृष्ण थे जहाँ पर, वह देश कौन–सा है ?

विजयी बली जहाँ के बेजोड़ शूरमा थे,

गुरु द्रोण, भीम, अर्जुन, वह देश कौन–सा है ?

जिसमें दधीचि, दानी हरिश्चंद्र, कर्ण से थे,

सब लोक का हितैषी वह देश कौन–सा है ?

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(घ) प्रथम मधु के फूलों का वाण
दुरा उर में, कर मृदु आघात,
रुधिर से फूट पड़ी रुचिमान
पल्लवों की यह सजल प्रभात,
शिराओं में उर की अज्ञात
नव्य जग जीवन कर गतिवान।

(ङ) पथ को न मलिन करता आना,
पद–चिह्न न दे जाता जाना,
सुधि मेरे आगम की जग में
सुख की सिहरन हो अंत खिली
विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली !

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. भारतेन्दु के काव्य की प्राचीन प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 16

3. द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 16

4. रामनरेश त्रिपाठी के काव्य–सौन्दर्य की चर्चा कीजिए। 16

5. मैथिलीशरण गुप्त की काव्य–भाषा की विशेषताएँ बताइए। 16

6. छायावाद की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 16

7. "प्रसाद का शिल्प–विधान" विषय पर एक निबन्ध लिखिए। 16

8. सुमित्रानंदन पंत की काव्य–चेतना के विकास को रेखांकित कीजिए। 16

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

2×8=16

(क) राधाकृष्ण दास

(ख) सियारामशरण गुप्त

(ग) निराला की काव्य-संवेदना

(घ) महादेवी वर्मा की काव्य-भाषा

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com